आईआईएमए ने अपने पहले संकाय सदस्य के सम्मान में कमला चौधरी संचार हब की स्थापना की

शिक्षक दिवस 2022 पर घोषित यह हब विश्व स्तर पर संस्थान को ब्रांड के रूप में बनाए रखने में मदद करेगा

5 सितंबर, 2022: शिक्षक दिवस के अवसर पर, प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) **कमला चौधरी संचार हब** के सृजन की घोषणा करता है, जिसका नामकरण संस्थान के पहले संकाय सदस्य आईआईएमए के विकास और सफलता में उत्कृष्ट योगदानकर्ता प्रोफेसर कमला चौधरी के नाम पर किया गया है।

प्रोफेसर कमला चौधरी, एक मान्यता प्राप्त शिक्षाविद, आईआईएमए की पहली संकाय सदस्य थीं। वे आईआईएमए सोसाइटी की सदस्य थीं और 1962 में आईआईएमए बोर्ड में नियुक्त होने वाली पहली मनोनीत फैकल्टी थीं। वे एक शानदार प्राध्यापिका थीं और 3टीपी सीनियर मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम की अन्वेषणकर्ता एवं लेखिका थीं, जिस पाठ्यक्रम ने आईआईएमए को कार्यकारी शिक्षा में अग्रणी स्थान दिया।

कमला चौधरी संचार हब प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान में आईआईएमए के नेतृत्व को मजबूत करने के साथ-साथ संचार और विपणन जुड़ाव के पोर्टफोलियो के माध्यम से आईआईएमए ब्रांड को बढ़ावा देने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। यह हब एक एकीकृत इकाई के रूप में कार्य करेगा जो संस्थान और इसके सभी आंतरिक और बाहरी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करेगा। इसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक वैश्विक स्तर पर आईआईएमए ब्रांड को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। इसके अधिदेश में निरंतर बदलती डिजिटल दुनिया में प्रभाव लाते हुए संचार, जुड़ाव करने में संस्थान की सहायता करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन विचारों को जोड़ना शामिल है।

आईआईएमए के पूर्वछात्र रूपा और विवेक कुडवा से मिले दान के कारण यह हब आकार ले रहा है। यह घोषणा करते हुए **आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर एर्रोल डिसूजा** ने कहा, "मुझे **कमला चौधरी संचार हब** की उद्घाटन घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो एक महत्वाकांक्षी प्रयास है, जिसे प्रोफेसर कमला चौधरी, एक अग्रणी प्रबंधन शिक्षाविद् और संस्थान निर्माता के सम्मान में नामित किया गया है। इस हब का अस्तित्व रूपा और विवेक कुडवा के समर्थन के बिना संभव नहीं हो पाता, जिन्होंने इस असाधारण और दूरदर्शी विचार को तैयार करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम किया, जो विश्व स्तर पर आईआईएमए ब्रांड को बढ़ावा देने के एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को सक्षम बनाएगा।

इस संचार हब के सृजन के समर्थन पर अपने विचार साझा करते हुए **आईआईएमए के पूर्वछात्रों - रूपा और विवेक कुडवा** ने कहा, "आईआईएमए वैश्विक स्तर पर प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान में अपनी श्रेष्ठता बढ़ाने की इच्छा रखता है। **कमला चौधरी संचार हब** की स्थापना से संचार और विपणन में निवेश बढ़ाकर इस प्रयास का समर्थन किया जाएगा। संस्थान के गौरवान्वित पूर्वछात्रों के रूप में, हम हब का समर्थन करने का सौभाग्य महसूस करते हैं। प्रोफेसर चौधरी के नाम पर हब का नामकरण संस्थान में उनके मौलिक और मूलभूत योगदान को पहचानने और सम्मानित करने का एक अवसर है।"

कमला चौधरी संचार हब हाल के वर्षों में आईआईएमए द्वारा की गई अग्रणी पहलों की श्रृंखला में नवीनतम है। यह सब इसके पूर्वछात्रों, विशिष्ट व्यक्तियों और प्रसिद्ध संस्थानों के समर्थन से संभव हुआ है, जो संस्थान के दृष्टिकोण को साझा करते हैं और इसके विकास के लिए अपना समय, प्रयास और धन समर्पित करते हैं। छह दशकों के बाद भी, आईआईएमए की विरासत भारत और दुनिया भर में गूंजती रही है। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ता है, संस्थान ने शीर्ष वैश्विक प्रबंध संस्थानों में से एक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को रेखांकित करने के लिए योजनाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है।

<u>आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:</u>

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, भविष्य के नेताओं का पोषण, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव पैदा करने के माध्यम से छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए स्वीकृत किया गया है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और दुबई में उपस्थिति के साथ एक नेटवर्क है। इसके प्रख्यात संकाय सदस्य और करीब 40,000 पूर्वछात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं, भी इसकी वैश्विक मान्यता में योगदान करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह ईक्विस से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बना हुआ है। प्रबंधन में प्रसिद्ध दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को *एफ़टी मास्टर इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2021* में 26 वाँ स्थान दिया गया है और कार्यकारियों के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) को *एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2022* में 62वाँ स्थान दिया गया है। संस्थान को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़), भारत रैंकिंग 2022 में भी प्रथम स्थान पर रखा गया है। आईआईएमए विविध दर्शकों के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएँ और 200 से अधिक क्यूरेटेड कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है। जिसमें व्यापारिक नेता, नीति निर्माता, उद्योग व्यवसायी, शिक्षाविद, सरकारी अधिकारी, सशस्त्र सेना बल कर्मी, कृषि-व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ और उद्यमी शामिल हैं। आईआईएमए के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया इस लिंक पर जाएँ: https://www.iima.ac.in/

मीडिया से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें –

सोफिया क्रिस्टीना | gm-comm@iima.ac.in

सुनीता अरविंद | pr@iima.ac.in | +91 8450900643